

्रअसाधार्ग के EXTRAORDINARY

भाग I—काण्ड 1 PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं∘ 128∫ No. 128] नई बिस्ली, बुधवार, जुलाई 14, 1982/भाषाढ़ 23, 1904 NEW DELHI, WEDNESDAY, JULY 14, 1982/ASADHA 23, 1904

इसं भाग में भिन्म पृष्ठ संस्था वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वित्त मंत्रालय

(आधिक कार्य विभाग)

अधिसू चना

नई दिल्ली, 14 जुलाई 1982

सं० एफ० 4(5)-डब्स्यू एण्ड एम/82/550 करोड स्पये की कुल राणि के लिये 6.25 प्रतिगत ऋण, 1986, 7.25 प्रतिगत ऋण 1992 (दूसरा निर्गम) ग्रीर 9.00 प्रतिगत ऋण 2013 (दूसरा निर्गम) के लिये 26 जुलाई, 1982 को बैंकिंग समय की समाप्ति तक ग्रीभदान तकदी या भारत सरकार के 5 प्रतिगत ऋण, 1982 ग्रीर 5ई प्रतिगत ऋण, 1982 भी र 5ई प्रतिगत ऋण, 1982 भी प्रतिभृतियों के ६प में स्वीकार किये जायेंगे। परत्रास्य लिखन ग्रीधिनियम 1881 के ग्रीभी किसी राज्य सरकार द्वारा 26 जुलाई, 1982 को छुटी शोपित किये जाने पर ग्रामें कार्य दिन बैंकिंग समय की समाप्ति तक सबधित ग्रादीना कार्यालयों में ग्रीभवान स्त्रीकार किये जायेंगे। सरकार को 550 करोड रुपये से ग्रीधिक प्राप्त 10 प्रतिगत तक के ग्रीभवान का ग्रीधकार होगा।

2. यदि उपर्युक्त ऋणां नी कुल प्रभिदान राशि 605 करोड़ रपयों से प्रधिक होगी तो नकदी में प्रभिदान करने वालों को प्रानुपातिक प्राधार पर प्रांशिक प्राबंटन किया जायेगा। यदि प्रांशिक प्राबंटन किया जायेगा तो प्रांणिक प्रावंटन के बाद, यथाणीच प्रधिक प्रभिदान की राशि लौटा ही जायगी। इस प्रकार लौटाई गई राशि पर कोई ब्यान प्रदा नहीं किया आयेगा।

- 3 रपये 100.00 प्रतिभान की दर पर जारी किया जाने बाला ग्रीर 26 जुलाई, 1986 को सममृल्य पर प्रनिदेश 6.25 प्रतिभान ऋण 1986
 - (i) वापनी भ्रवायगी की नारील ऋण 26 जुलाई, 1986 की सममृत्य पर वापन भ्रवा किया जायेगा ।
 - (ii) निर्गम मृत्य आवेषित ऋण के प्रत्येक रु० 100 00 (सिके-निक) का निर्गम मृत्य ४० 100.00 होगा ।
 - (iii) क्यांज इस ऋण की व्यांज दर 26 जुलाई, 1982 से आर्थिक 6.25 प्रतिणत होगी। क्यांज छमाही स्राक्षार पर 26 जनवरी ग्रीर, 26 जुलाई को भ्रवा किया जायेगा। इस प्रकार भ्रवा किये गये क्यांज पर तीचे दिये गये भ्रनुच्हेंद 9 भ्रीर, 10 के उपबन्धों के भ्रधीन श्राय-कर स्रश्चित्यम, 1961 के अन्तर्गत कर लगेगा।

4. रपये 100,00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जाने वाला और 24 मई, 1992 की सममृत्य पर प्रतिदेय 7 25 प्रतिशत ऋण, 1992 (दूसरा निर्गम)

- (i) वापसी अदायगी की तागिख ऋष 24 मर्ट, 1992 को सम्पृत्य पर बापस श्रदा किया जागेगा ।
- (ii) निर्मम मूर्य्य-प्रावेदित ऋष के प्रत्येक रुपये 100 00 (माके-निक) का निर्मम मूर्य्य राये 100 00 होगा ।
 - (iii) ब्याज इस ऋण की ब्याज दर 26 जुलाई, 1982 से वार्षिक 7.25 प्रतिकात होगी । 26 अलाई, 1982 से 23 नवस्थर,

1982 (दोनों विनों समेत) तक की भविध का स्थाह 24 24 ने मन्द्र, 1982 को श्रवा किया जारेगा श्रीर इसके पश्च स्थाज छात्। श्राक्षार पर 24 मई श्रीर 24 नवस्वर को श्रदा किया जायेगा । इस प्रकार श्रदा किये गथे स्थाज पर नीते 'दिये हुए श्रनुच्छेद 9 श्रीर 10 के उपप्रंथों के श्रधीन श्रायकर कृषिनियम, 1961 के श्रनगंत कर लगेगा ।

5. इ० 100>0 प्रतिशत की दर पर जारी किया जाने वाला श्रीर 24 मई, 2013 की सममृत्य पर प्रतिदेय 9 00 प्रतिशत ऋण, 2013 (क्सरा निगैम)

- (i) बापसी ग्रदायगी को सारीख -ऋण 24 मई, 2013 को सम-मरुम पर बापस ग्रदा किया जायेगा ।
- (ii) निर्गम मूल्य प्रावेदित ऋण के प्रत्येक कर 100.00 (सिकि-तिक) का निर्गम मुल्य कर 100.00 होगा।
- (iii) ब्याज इस ऋण की ब्याज दर 26 जुलाई, 1982 से वार्षिक 9 00 प्रतिणत होगी। 26 जुलाई, 1982 से 23 नवम्बर, 1982 (टीमों दिनों ममेन) तक की ध्रविध का ब्याज 24 नवम्बर, 1982 को ब्रदा किया जायेगा और इसके पश्चाक क्याज की छमाही ब्राधार पर 24 मई ब्रीर 34 नवम्बर को ब्राधा किया जायेगा। इस प्रकार ब्रदा किये गये ब्याज पर नीचे दिये हुये ब्रानुष्टेद 9 ब्रीर 10 के जपसंधों के ब्राधीन ब्रायकर श्रविनियम, 1961 के ब्रस्तर्गत कर लगेगा।

वपास्तर की शर्ते

6. 5 प्रतिशास ऋण, 1982 प्रौर $5\frac{1}{2}$ प्रतिशान ऋण, 1982 की प्रति-भृतियों नये ऋणों में सममूख्यों पर क्यान्तरण के लिये स्वीकार की जायेगी स्पान्तरण के लिये पेश की गई 5 प्रतिशान ऋण, 1982 की पित-भृतियों पर 14 जुलाई 1982 तक (इस दिन समेन) की प्रविध्य का स्थाज दिया जायेगा । इसके प्रतिश्चित 15 से 25 जुलाई 1982 तक के 11 दिनों का प्रत्याशित ब्याज, यथास्थित, शंगे गये नये ऋण की ब्याज दर के प्रतुसार प्रयत्ति 6.25 प्रतिशान 7 25 प्रतिशान या 9 00 प्रतिशान धार्मिक की वर से नई प्रतिभृतिया जारी करने समय दिया जायेगा ।

पूरक व्यवस्थाएं

- 7. मायेवन पत्र निम्निमिखन कार्यालयों में स्वीकार किये जायेगे .--
- (क) ग्रहमदाबाद, बंगलूर, बंबई, (फोर्ट ग्रीर भायश्वला) कलकत्ता. गोहाटी, द्रैदराबाद, जयपुर, कानपुर, सद्रास, नागपुर, नई दिल्ली ग्रीर पटना में स्थित भारतीय रिजर्ब नैक के कार्यालय, ग्रीर
- (ख्र) उपर्युक्त (क) में दिये गये स्थानों को छोड़कर भारत में ब्रन्थ सभी स्थानों पर भारतीय स्टेट बैंक की शाखायें।
- 8. स्थाज भवा करने का स्थान इन ऋणो पर ब्याज भारतीय रिजर्ब बैक के ब्रह्मदाबाद, बगल्र, बस्बई, कलकरना, गोहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, महास, नागपुर, नई दिल्ली धौर पटना में स्थित लोक ऋण कायिलयों तथा भारत में जम्मू और काश्मीर तथा मिक्किम राज्यों को स्थेरकर अन्यत्न किसी राजकीय में या उपराजकीय में अदा किया जायेगा।
- 9. ज्याज ग्रदा करने समय (वार्षिक विस्त ग्रिधिनियमों द्वारा निर्धारिक दरों पर) काटे गये कर की वापसी भ्रदायगी उन ऋण धारकों को प्राप्त होगा जो कर वायी नहीं है या जिन पर ऐसे दरों पर कर लागू होगा है जो काटे गये कर की दर से कम हों।

जो धारक करदायी मही है या निर्धारित दर से कम दर पर करवायी है वह जिले के भायकर धिकारी को धाबेदन कर उनसे एक ऐसा प्रमाण-पत्र प्राप्त कर सकता है जिनमें यह प्राधिकृत किया गया हो कि कर की कटौनी किये बिना धारक पर लागू होने वाली स्थूनभर दर पर की कटौनी कर उसे ब्याज श्रदा किया जायेगा।

भारत का कोई व्यप्ति निवासी, जिसकी कुल भाय छूट सीमाफ्रों से अधिक न हो, ब्याज देने के लिये जिस्सेदार व्यक्ति को निर्धारित फार्स में, दो प्रतियों में श्रीषणा देकर व्याज की राणि कर को कटौती के बिना प्राप्त कर सकता है।

- 10 प्रम जारी किये जाने वाले ऋणों पर ब्याज धौर इसके पहले की प्रत्य सरकारी प्रतिभूतियों पर मिलने वाले ब्याज तथा प्रत्य श्रनुमोदित निवेशों में मिलने वाली श्राय को वाधिक 6,000 एवयों को सीमा क्षक और श्राय कर श्रीधनियम, 1961 की धारा 80 ठ के श्रन्य उपबंधों के श्रीमी श्राय-कर से छूट प्राप्त होंगी।
- 11. श्रव जारी किये जाने वाले ऋषों में किये जाने बाले निर्वेणों के मृत्य श्रीर इस पहले सरकारी प्रतिभृतियों में किये गये श्रन्य निवेणों श्रीर सपित कर प्रधिनियम को धारा 5 में निर्दिष्ट श्रन्य निवेणों के मृत्य को भी, 1,65,000 रुपयों की सीमा तक संपत्नि कर में सूट प्राप्त होगी।
 - 12. प्रतिभूतियां निम्नलिखित के रूप में जारी की जार्पेगी :── स्टाक प्रमाण-पन्न ,या प्रभन एक ।

यदि प्रावेशक इनमें से किसी का उल्लेख न करे तो उन्हें बचन पन्नो के रूप में प्रतिभृतियो जारी की जायेंगी।

- 13. ऋणों के लिये प्राविदन-पत्न ऋणों के लिये ध्राविदन-पत्न रुपये 100.00 या उनके गुणकों के लिये होने चाहिये।
- 14 श्रावेदन-पत इसके साथ सलग्न फार्म में या किसी ऐसे दूसरे फार्म में होने नाहिये जिसमें घपेक्षित प्रतिभूतियों की राशि ग्रीर विवरण आवेदक का पूरा नाम भीर पता तथा उस कार्यालय का स्पष्ट उल्लेख हो जहां घरिदक स्थान की अदायगी की अपेक्षा करना हो ।
- 15. श्रागेदन-पत्नों के साथ श्रावण्यक राणि नक्ती या चैक या 5 प्रतिशत श्रष्टण 1982 या 5 र्फ़ु प्रतिशत श्रष्टण, 19×2 की प्रतिशृतियों के रूप में जिन्हें रूपान्तरण के लिये पेण किया जा रहा है के रूप में प्रेषित की आगी चाहिये। भारतीय रिजर्व बैंक या भारतीय स्टेट बैंक के कार्यालय में प्रस्तुत किये जाने वाले चैंक संबंधित दैंक के नाम श्राहरित किये जाने चाहियें। रूपान्तरण के तिथे पेण की गई प्रतिशृतियां धारक द्वारा मरकार को श्रन्तरित की जानी चाहिय :--

स्टाक प्रमाण-पत्नों के मामले में प्रमाण-पत्नों के पृष्ट भाग में श्रम्लरण करार के फार्म में एक साक्षी के समक्ष हस्ताक्षर करके बचन पत्न के मामले में नीचे उल्लिखित नरीके में पृष्टांकन द्वारा "भारत के राष्ट्रपति को अबा किया जाये"।

16 रविक्टन बैकों और दलालों को उनके द्वारा प्रस्तृत और उनके मोहरयुक्त ऋष्ण प्रावेबन पत्रा पर पिखे गये प्राबंटनों पर प्रति २० 100,00 (मोकेनिक) ७ पैसे की दर पर दलाली प्रदा की आयेगी।

वलाकी की भ्रदायगी के लिये ऋण जारी किये जाने की तारीख से छ. महीतें के भीकर संबंधित कार्यकायों में बावा पंग किया जाता चाहिये।

राष्ट्रपति के व्यक्ति से, शिक्षिलेण चन्द्र तिवारी, संप्रकल सचिव

| -5 . | | | 9 |
|--------|-----|----------|------|
| आरोह अ | 7.4 | T | oc7∓ |

| | ह माय रुपये |
|--|---|
| (पूरा/पूरे नाम) | |
| | /* 5½ प्रतिशत ऋण, 1982 की प्रतिमृतियां प्रस्तृत करता हं/करते हैं* और या |
| सन्रोध करता ह्र/करते* कि सुप्ते/हुमे* नीचे उन्त्रिक्तां,सृत्यवर्गान्त्य वर्गे | ी में * वचन पश्च (पश्चों)/स्टाक प्रमाणपत्र के रूप में |
| क्षमा के साकायक कृत्य के 6.25 प्रात्मणत ऋणः 1986-77.75 पान्य प्रतिभृतियां जारी की जायें | शन ऋण, 1992 (दूसरा निर्गस*/9.00 प्रतिशतऋण, 2013 (ट्सरा निर्गस)* क ं |
| · | • |
| | ——— र का (के) *———————————————————————————————————— |
| प्रति थचन पद्म | |
| प्रति यज्ञन प्रज्ञ | स्त का (के) * |
| मैं/हम* चाहता हं/चाहते हैं,* कि उनका ब्याज—————————— | |
| न लिखें प्रविष्टियां धादाना कार्यालय द्वारा की जायेगी। | |
| | |
| | छोटे हस्ता० दिनांक |
| श्रावैदन पन्न सं० | हस्तक्षर |
| "दलाली नहीं" मृहर | पूरा/पूरे नाम- |
| नकदी प्राप्त होने की नारीख | |
| चेक वस्त होने की नारीख | <u> </u> |
| विक्रेष चालू खाने में जमा करने की तारीय। | |
| जांच की गई | |
| नकदी ग्रावेदपत्नों के रजिस्टर में दर्ज किया गया | |
| वलाली रिजम्टर मे दर्ज किया गया | |
| मांग पत्र स० | |
| प्रतिभृति सं० | |
| कार्ड सं० | |
| बाउभर पारित करने की तारीख | |
| | |

*जो श्रावण्यक न हो उसे काट दिया जाये।

†रुपये 100, रुपये 200, रुपये 500, रुपये 1000, रुपये 5,000, रुपये 10,000, रुपये 25,000, रुपये 50,000 भौर रुपये 1,00,000 के मृत्य वर्गों में वचन पक्ष जारी किये जायेंगे। जो मृत्य वर्ग प्रगंशित हो उसका उल्लेख किया जाये।

- टिप्पणीयां (1) रूपांतरण के लिये प्रस्तुत की गई प्रतिभूतियों को, ग्रगर थे बचन पत्नों के रूप में हो, प्रार्थी/प्राधियों के हस्ताक्षर के उपर, ''भारत के राष्ट्रपति को श्रदा किया जाये'' जन्दों के साथ पृष्टांकित की जारी चाहियें श्रीर ग्रगर ये स्टाक प्रमाण पत्नों के रूप में हैं तो प्रार्थी/प्राधियों हारा उनके पट भाग में श्रन्तरण करार पर कि साक्षी के समक्ष हस्ताजर किये जाते चाहियें।
 - (2) प्रत्येक ऋण श्रीर थपेक्षित नये ऋण की प्रश्येक प्रकार की प्रतिभूति (स्टाक प्रमाणपत्र सा बचन पत्र) के लियं श्रलग-ग्रलग ग्रावेदन किया जाने।
 - (3) यदि आवेदक का हस्ताक्षर अंगुठे के निणान के रूप में हो तो दो व्यक्ति उसके माक्षी हो । साक्षियों के हस्ताक्षरों के नीचे उनके पूरे नाम, व्यवसाय और पने दिये जायें।
 - (4) यदि प्रावेदन किसी पंजीकृत निकास के नाम में किया जायें तो निवेश प्रावेदन पत्र के माथ निम्नलिखित दस्तावेज, यदि वे लोक ऋण कार्यालय में पहले ही पंजीकृत न किये गये हो तो, मंलग्न किये जायें।
 - (i) निगमन/पंजीकरण के मूल प्रमाणपत्र या कार्यालय के मुद्राक के ग्रधीन जारी करने वाले प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित उसकी प्रतिलिपि
 - (ii) कंपनी/निकास के क्रापन पल और प्रन्तिनियम सा नियमों और विनियमो/उपनियमो की प्रमाणित प्रतिलिपियां ।
 - (iii) कंपनी/निकाय की ओर से सरकारी प्रतिभृतियों का लेनदेन करने के लिये प्राधिकृत व्यक्तियों के पक्ष में किये गये संकल्प की प्रमाणित प्रतिलिपि, उसके/उनके विधिवत सल्यापित नमना हस्ताक्षर/हम्लाक्षरों के साथ ।
 - (5) जो ग्राबेदक स्टाक प्रमाणपत्रों के रूप में प्रतिभृतिया प्राप्त करता चाहते हैं, उन्हें छमाष्ट्री ब्याज के प्रेप्रण के लिये (लोक ऋण कार्यालय में उपलब्ध) प्रादेश फार्प भी भरता चात्रिये।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

NOTIFIC ATION

New Delhi, the 14th July, 1982

No.P.4(5)-W& M/82.—Subscriptions for the issues of 6.25 per cent Loan, 1986, 7.25 per cent Loan, 1992 (Second Issue) and 9.00 per cent Loan, 2013 (Second Issue) for an aggregate amount of Rs. 550 crores will be received in the form of cash or of securities of Government of India 5 per cent Loan, 1982 and 5½ per cent Loan, 1982 on the 26th July 1982 upto the close of Banking hours. In the event of 26th July 1982 being declared a holiday by any State Government under the Negotiable Instruments Act, 1881, the subscriptions will be received at the concerned receiving offices in that State upto the close of Banking hours on the next working day. Government reserve the right to retain subscriptions received upto 10 per cent in excess of the sum of Rs. 550 crores.

- 2. If the total subscriptions to the aforesaid loans exceed the sum of Rs. 605 crores, partial allotment will be made to the subscribers in cash on a proportionate basis. If partial allotment is made, the excess subscriptions will be refunded as soon as possible after partial allotment. No interest will be paid on the amounts so refunded.
- 3. 6.25 per cent Loan, 1986 issued at Rs. 100.00 per cent and redeemable at par on the 26th July 1986.
- (i) Date of Repayment, -The Loan will be repaid at par on the 26th July 1986.
- (ii) Issue Price.—The issue price will be Rs. 100.00 for every Rs. 100.00 (Nominal) of the Loan applied for.
- (iii) Interest.—The Loan will bear interest at the rate of 6.25 per cent per annum from 26th July 1982. Interest will be paid half-yearly on the 26th January and 26th July. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 9 and 10 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961.
- 4. 7.25 per cent. Loan, 1992 (Second Issue) issued at Rs 100 00 per cent, and redeemable at par on the 24th May 1992
- (i) Date of Repayment.—The Loan will be repaid at par on the 24th May 1992,
- (ii) Issue Price.—The issue price will be Rs.100.00 for every Rs.100.00 (Nominal) of the Loan applied for.
- (iii) Interest.—The Loan will bear interest at the rate of 7.25 per cent. per annum from 26th July 1982. Interest for the period 26th July 1982 to 23rd November 1982(inclusive) will be paid on 24th November 1982 and thereafter interest will be paid half-yearly on 24th May and 24th November. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 9 and 10 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961.
- 5, 9,00 per cent. Lcan, 2013 (Second Issue) issued at Rs. 100,00 per cent. and redeemable at par on the 24th May 2013.
- (i) Date of Repayment. -The Loan will be repaid at par on the 24th May 2013.
- (ii) Issue Price.—The issue price will be Rs, 100.00 for every Rs, 100.00 (Nominal) of the Loan applied for,
- (iii) Interest.—The Loan will bear interest at the rate of 9.00 per cent, per annum from 26th July 1982. Interest for the period 26th July to 23rd November 1932 (inclusive) will be paid on 24th November 1982 and thereafter interest will

be paid half-yearly on 24th May and 24th November. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 9 and 10 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961.

CONVERSION TERMS

6. The securities of 5 per cent. Loan, 1982 and 5½ per cent. Loan, 1982 will be accepted for conversion tinto the new Loans at par.

Interest on the securities of 5 per cent. Lean, 1982 tendered for conversion will paid at the rate of 5 per cent, per annum upto and inclusive of 14th July 1982. In addition, anticipatory interest will be paid according to the rate of interest of the new Lean applied for, i.e. 6.25 per cent, 7.25 pet cent, or 9.00 per cent per annum, as the case may be, for eleven (11) days i.e. from 15th to 25th July 1982 at the time of issue of new securities.

SUPPLEMENTARY PROVISIONS

- 7. Applications will be received at, -
- (a) Offices of the Reserve Bank of India at Ahmedabad, Bangalore, Bombay (Fort and Byculla), Calcutta, Gauhati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras Nagpur, New Delhi and Patna; and
- (b) Branches of the State Bank of India at all places in India except at (a) above
- 8. Place of Payment of Interest,—Inte est on the Loans will be paid at the Public Deht Offices of the Reserve Bank of India at Ahmedabad Bangalore Bombay, Calcutta, Gauhati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Nagpur, New Delhi and Patra and at any Treasury or Sub-Treasury elsewhere in India except the States of Jammu and Kashmir and Sikkim.
- 9. Refunds of tax deducted at the time of payment of interest (at the rates prescribed by the Annual Finance Acts) will be obtainable by holders of the Loan who are not liable to tax or who are liable to tax at rates lower than the rate at which tax was deducted.

A holder who is not liable to tax o who is liable to tax at a rate lower than the prescribed rate, can obtain, on application, a certificate from the income-tax Officer of the district, authorising payment of interest to him without deduction of tax or with deduction of tax at such lower rate as may be applicable to the holder.

An individual resident in India whose total income does not exceed the exemption limit can obtain, on furnishing a declaration in the prescribed form in duplicate to the person responsible for paying the interest, the amount of interest without deduction of fax.

- 10. Interest on the loans now issued together with interest on other previous Government securities and income from other approved investments will be exempt from Income-tax subject to a limit of Rs. 6000 per annum and subject to the other provisions of Section 80L of the Income-tax Act, 1961.
- 11 The value of investments in the loans now issued together with the value of other previous investments in Government securities and the other investments specified in Section 5 of the Wealth-tax Act will also be exempt from the Wealth tax upto Rs 1 65,000
 - 12 The securities will be issued in the form of-
 - (i) Stock Certificates; or
 - (ii) Promissory Notes

If no preference is stated by the applicants, the securities will be issued in the form of Promissory Notes.

- 13. Applications for the Loans, "Applications for the Toans must be for Rs.100 or a multiple of that sum.
- 14. Applications may be in the form attached before or in any other form which states clearly the amount and description of the securities required, the full name and address of the applicant and the office at which he desires the interest to be paid.
- 15. Applications should be accompanied by the necessary payment in the form of cash or cheque or securities of 5 per cent. Loan, 1982 or 5-½ per cent. Loan, 1982 which is being offered for conversion. Cheques tendered at the office of the Reserve Bank of India or the State Bank of India should be drawn in favour of the bank concerned. The securities tendered

for conversion must be transferred by the holder to the Government—(i) in the case of Stock Certificates by signing the form of transfer deed on the reverse of the certificate before a witness. (ii) in the case of Promissory Notes, by endorsing them in the manner indicated below:

Pay to the President of India

10. Brokerage will be paid at the rate of 6 paise per Rs. 100 00 (Nomical) to recognised banks and brokers on allot-ments made in respect of applications for the loans tendered by them and bearing their stamp.

The claim for payment of brokerage should be preferred at the concerned offices within six months from the date of floatation of the Loans.

By order of the President, A.C.TIWARI, Joint Secy.

| l/We* | Full Name(s) in Block Let | ters]herewith |
|---|---|---|
| Rs | |) /*Securities of |
| tender *cash | , , , , , , , , , , , , , , , , , , , | |
| cheque for | 092 of the presided value of Re | (Rs) and |
| | | 2 (Second Issue)*/0.00 per cent. Loan, 2013 (second |
| Issue)* of the nominal value of Rs | | may be issued to me/us* in the form of |
| in the denomination(s) stated below: *Promissory Note(s) in the | | |
| Stock Certificate | denomination(s) Stated below: | |
| | Promissory Note(s) 4- of 1 | Rscach. |
| | | Rscach. |
| | | |
| | Promissory Note(s)+of | Rseach. |
| 2. 1/We* desire that interest be paid at | | |
| the contract of parts are. | | |
| N.B.—The applicant shoud not write anything will be filled in by the Receiving Office | ng in this cage. The entries | |
| will be filled in by the Receiving Omeo | Ç. | |
| | | |
| | Iritials Date | |
| Application No. | | Signature(s) |
| N.B. Stamp | | Name(s) in full(Block Letters) |
| Cash Received on | .,,,, | (Block Letters) |
| Cheque realised on | .,, | |
| Creditea to Special Current Account on | | ,, |
| examined | ,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,, | Address |
| Cash applications Register posted | ,,, | |
| Brokerage Register Posted | , | |
| Indent No. | | · |
| Script No. | | |
| Card No. | ,., | Dated theof July 1982 |
| Voucher passed on | | |

FORM OF APPLICATION

^{*} Delete what is not required.

⁺Promissory Notes will be issued in denominations of Rs. 100, Rs. 200, Rs. 5000, Rs. 1,000, Rs. 10,000, Rs. 25,000, Rs. 50000 and Rs. 1,00,000. State here the particular denomination(s) required.

Notes:—(1) Securities tendered for conversion should be endorsed with the words 'Pay to the President of India' over the signature of the applicant(s) if they are in the form of Promissory Notes and the transfer deed on the reverse should be signed by him/them before a witness, if they are in the form of Stock. Certificates.

- (2) Separate applications should be made for each Loan, each form of subscription and each form of script (Stock Certificate or Promissory Note) of the New Loan required.
- (3) If the applicant's signature is by thumb mark, it should be witessed by two persons. The full names, occupations and addresses of the witnesses should be appended to their signatures.
- (4) If the application is made in the name of the registered body, the undernoted documents, if not already registered at the Public Debt Office, should be enclosed with the investment application:——
 - (i) Certificate of Incorporation/Registration in original or a copy there of certified as true by the issuing authority under his office seal.
 - (ii) Certified copies of Memorandum and Articles of Association or the Rules and Regulations/By-Laws of the company/body.
 - (iii) Certified copy of resolution in favour of the person(s) authorised to deal in Government securities on behalf of the company/body together with his/their duly attested specimen signature (s).
- (5) Applicants desiring the issue of script in the form of Stock Certificates should also complete a Mandate Form (obtainable from Public Debt Office) for remittance of half-yearly interest to them.